Chapter-3

भूमंडलीकृत विश्व का बनना

PAGE NO.
DATE: / /

वैश्वीकरण — व्यक्ति, सामानों और नौकरियों को एक देश से दूसरे देश तक के स्थानांतरण को वैश्वीकरण कहलाता है।

16वी शताब्दी का काफी समय बीत जाने के बाद भी चीन और भारत सबसे धनी देश था, एशियाई व्यापार में भी इन्हीं का दबदबा था।

सिल्क रूट क्या है? रेशम मार्ग क्या है?

Ans- सिल्क रूट एशिया के विशाल क्षेत्रों (चीन, भारत) तथा एशिया को यूरोप और उत्तरी अफ्रीका से जोड़ने वाले व्यापारिक और सांस्कृतिक सम्पर्क मार्ग था। इसके माध्यम से सबसे पहले रेशम का व्यापार किया जाता था।

अफ्रीका में रिंडरपेस्ट या मवेशी प्लेग का आना पर संक्षेप टिप्पणी लिखिए।

Ans- रिंडरपेस्ट या मवेशी प्लेग

(i) अफ्रीका में 1880 के दशक के आखिरी सालों में रिंडरपेस्ट बीमारी बहुत तेजी से फैल गई।

(ii) जिसके कारण 90% जानवरों की मृत्यु हो गई।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

(iii) अब अफ्रीका में लोगो के पास कोई दूसरा काम नही था।
(iv) उनके पास एक ही विकल्प था कि यूरोपियो के लिए काम करें।
(v) बचे हुए जानवरो को कब्जे में लिया गया।

विश्वयुद्ध के कारण यूरोप में कामकाजी ~~उम्र~~ उम्र के पुरुषों की मौत
संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

Ans-
(i) प्रथम विश्व युद्ध 1914 ई० में शुरू हुआ था और 1919 में समाप्त हुआ।
(ii) इस युद्ध में मशीनगनों, टैंको, हवाई जहाजों और रासायनिक हथियारों को बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया गया।
(iii) इस युद्ध में 90 लाख से अधिक लोग मारे गए तथा 2 करोड़ लोग घायल हुए।
(iv) मृतको और घायलो में ज्यादातर कामकाजी उम्र के लोग थे।
(v) इस महाविनाश के कारण यूरोप में कामकाजी के लायक लोगों की संख्या बहुत कम रह गई।
(vi) परिवार के सदस्य घट जाने से युद्ध के बाद परिवारो की आय भी गिर गई।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

PAGE NO.
DATE: / /

कॉर्न लॉ

कॉर्न लॉ क्या है ?

Ans- ब्रिटेन की सरकार ने बड़े भू-स्वामियों के दबाव में मक्का के आयात पर पाबंदी लगा दी थी। जिन कानूनों के सहारे सरकार ने यह पाबंदी लागू की थी, उन्हें "कॉर्न लॉ" कहा जाता था।

कॉर्न लॉ समाप्त करने के बारे में ब्रिटिश सरकार का फैसला —

Ans- कॉर्न लॉ के समाप्त होने के बाद बहुत कम कीमत पर खाद्य पदार्थों का आयात किया जाने लगा। आयातित खाद्य पदार्थों की लागत ब्रिटेन में पैदा होने वाले खाद्य पदार्थों से भी कम थी। इसके फलस्वरूप ब्रिटिश किसानों की हालत बिगड़ने लगी क्योंकि वे आयातित माल की कीमत का मुकाबला नहीं कर सकते थे। विशाल भूभागों पर खेती बंद हो गई। हजारों लोग बेरोजगार हो गए। गाँवों को छोड़कर वे या तो शहरों में या दूसरे देशों में जाने लगे।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

भारतीय अर्थव्यवस्था पर महामंदी का क्या प्रभाव पड़ा।

Ans- (i) व्यापार पर प्रभाव - इस समय तक भारत कृषि वस्तुओं का निर्यातक और तैयार माल का आयातक बन चुका था। महामंदी ने भारतीय व्यापार को प्रभावित किया। 1928 से 1934 के बीच भारत में गेंहूँ की कीमत 50 प्रतिशत गिर गई।

(ii) शहरी अर्थव्यवस्था पर प्रभाव — शहरी अर्थव्यवस्था पर महामंदी का ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ा क्योंकि यहाँ बहुत से लोगों की आय निश्चित थी।

(iii) ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर प्रभाव — आर्थिक मंदी का किसानों पर बुरा प्रभाव पड़ा। कृषि उत्पादों की कीमतों में तेजी से गिरावट आई। सरकार ने लगान वसूली में छूट देने से साफ इन्कार कर दिया।

(iv) काश्तकारों की स्थिति पर प्रभाव — आर्थिक मंदी से काश्तकारों को भारी नुकसान हुआ। क्योंकि ये विश्व बाजार के लिए उपज पैदा करते थे। जिन्होंने उपज बढ़ाने के लिए कर्ज लिया। उन्हें उपज का उचित मोल न मिलने के कारण वे पहले से भी ज्यादा कर्ज में डूब गए।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

PAGE NO.
DATE: / /

(v) वैश्विक अर्थव्यवस्था पुनर्जीवित — आर्थिक मंदी के समय भारत बहुमूल्य धातुओं, विशेष रूप से सोने का निर्यात करने लगा। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री कीन्स का मानना था कि भारतीय सोने के निर्यात से भी वैश्विक अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने में सहायता मिली।

बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा अपने उत्पादन को एशियाई देशों में स्थानान्तरित करने का फैसला क्यों किया।

Ans— सत्तर के दशक में बेरोजगारी बढ़ने लगी। इस समय बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने एशियाई देशों में उत्पादन केन्द्रित किया क्योंकि यहाँ वेतन अपेक्षाकृत कम दिया जाता था। चीन में वेतन अन्य देशों की तुलना में कम था। विदेशी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने यहाँ खूब निवेश किया। इनमें से अधिकांश एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में कम लागत की व्यवस्था की तथा अधिकांश देशों में विशाल बाजार भी थे।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

प्र०- खाद्य उपलब्धता पर तकनीक के प्रभाव को दर्शाने के लिए इतिहास से दो उदाहरण दें।

Ans- (i) रेलवे का विकास — खाद्य पदार्थों को हजारों मील दूर एक जगह से दूसरी जगह पहुँचाने के लिए रेलवे का इस्तेमाल किया जाने लगा था। पानी के जहाजों से इसे एक देश से दूसरे देशों में आसानी से पहुँचाया जा सका।

(ii) रेफ्रिजरेशन तकनीक का विकास —

पानी के जहाजों में रेफ्रिजरेशन की तकनीक स्थापित करने से जल्दी खराब होने वाली चीजों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जाने लगा, जैसे - आलू, ब्रेड, अंडा, मक्खन, माँस आदि।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

PAGE NO.
DATE: / /

ब्रेटन वुड्स समझौते का अर्थ क्या है ?

Ans- ब्रेटन वुड्स समझौता एक फ्रेम वर्क है जिसे औद्योगिक देशों ने अन्तर्राष्ट्रीय भागीदारी के तहत आम सहमति से तैयार किया। इसमें युद्धोत्तर आर्थिक भरपाई और रकम का संचय कैसे स्थिर रहे इस विषय पर रणनीति बनाई गई। इसका मुख्य उद्देश्य विश्व में आर्थिक स्थिरता को बनाए रखना था। ब्रेटन वुड्स समझौता इस सीख के बाद सामने आया कि किसी देश की आर्थिक स्थिरता अन्य देशों को भी प्रभावित करती है क्योंकि आज देश एक-दूसरे पर निर्भर हैं।

आलू का अकाल कब पड़ा था ? इसका क्या प्रभाव हुआ।

Ans- 1845 और 1849 के बीच भयानक आयरिश आलू अकाल के दौरान आयरलैंड के लगभग 10,00,000 लोग ~~भुखमरी~~ भुखमरी के कारण मारे गए थे। इससे दुगने काम की तलाश में घर-बार छोड़कर दूसरे इलाकों में चले गए थे।

www.notesdrive.com

https://parikshasolutions.blogspot.com

वैश्वीकरण के लाभ लिखिए।

Ans- (i) पूरे विश्व के लोगों को उच्च गुणवत्ता वाली ~~वस्तुओं~~ वस्तुएँ कम कीमतों पर मिल जाती है।

(ii) पूरे विश्व में कोई भी उत्पादक अपने उत्पाद को बेच सकता है।

(iii) वैश्वीकरण से एक देश के लोग दूसरे देशों में रोजगार प्राप्त करने में सक्षम होते है।

(iv) वैश्वीकरण द्वारा विदेशी पूंजी के निवेश मे वृद्धि होती है एवं नवीन तकनीकों का आगमन होता है।

(v) आयात- निर्यात पर लगे अनावश्यक प्रतिबंध समाप्त हो जाते है तथा संरक्षण नीति समाप्त हो जाने से विदेशी व्यापार में वृद्धि होती है।

(vi) कम ~~लागम~~ लागत पर बनी वस्तुएँ पूरे विश्व मे कम कीमतों पर उपलब्ध करायी जाती है।

www.notesdrive.com

सत्रहवीं सदी से पहले होने वाले आयात-प्रधान के दो उदाहरण दीजिए। एक उदाहरण एशिया से और एक उदाहरण अमेरिका महाद्वीपों के बारे में चुनें।

एशिया से उदाहरण — चीन ने वस्त्र, अन्य वस्तुओं और मसालों के बदले में भारत और दक्षिण पूर्व एशिया में मिट्टी के बर्तन और रेशम का निर्माण किया।

अमेरिका से उदाहरण — अमेरिका में प्रचुर मात्रा में फसलें, खनिज और सोने-चाँदी जैसी कीमती धातुएँ यूरोप से एशिया पहुँचती थी।

https://parikshasolutions.blogspot.com

www.notesdrive.com

www.notesdrive.com